प्रेस विज्ञप्ति

12 दिसंबर, 2017

रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–

'झूठ' और 'भाजपा' अब पर्यायवाची बन गए है

चुनाव की पूर्व संध्या में 'हार को सामने देख' भाजपा बौखलाई

कुख्यात उग्रवादी 'दाउद इब्राहिम' पर जवाब क्यों नहीं?

क्यों अपना रहे भारत विरोधी – उग्रवादी व अलगाववादी तत्वों पर ढुलमुल रवैया?

क्या यही है भाजपा का 'झूठा राष्ट्रवाद'?

गुजरात में अपनी निश्चित हार को सामने देखघबराई, तिलमिलाई, और झुंझलाई भाजपा अब **'खिसियानी बिल्ली खम्बा नोचे'** वाली कहावत को पूर्णतः सिद्ध करने में तुली हुई है । भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से बहुत अपेक्षाएं थी कि वह कांग्रेस पार्टी द्वारा गुजरात के विकास को लेकर उठाये गए प्रश्नों का जवाब देते– वह अपने सुपुत्र, श्री जय शाह के कारनामों पर कुछ प्रकाश डालते वह राफेल सौदे पर उठे महत्वपूर्ण प्रश्नों का जवाब देतेय पर चुनाव की पूर्व संध्या तक, भाजपा इन महत्वपूर्ण प्रश्नों का जवाब देने से कतराती नजर आ रही है।

डॉ मनमोहन सिंह जैसे व्यक्ति को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और श्री अमित शाह से भाषा और शालीनता का ज्ञान लेने की कोई जरुरत नहीं है। पूरा देश उनकी शालीनता और विनम्रता का कायल है और रहेगा । जिस अपमानजनक भाषा का प्रयोग मोदी जी और अमित शाह जी ने गुजरात में चुनाव प्रचार के दौरान किया, वह सबके सामने है। गुजरात की जनता 18 तारीख को इसका अवश्य जवाब देगी।

चुनाव की पूर्व संध्या में इस तरीके की ऊल –जलूल बाते करना किसी भी राजनैतिक दल को शोभा नहीं देता, पर भाजपा अब हताशा का अभिप्राय बन चुकी है।

भाजपा ने कांग्रेस द्वारा उठाये गए किसी भी प्रश्न का कोई जवाब नहीं दिया, और केवल भाषणों में अपशब्दों से जुमलेबाजी करती रही।

न तो श्री अमित शाह ने यह बताया की उनके सुपुत्र की आमदनी कैसे बढ़ी, और न ही यह बताया की राफेल सौदा एक ऐसी कंपनी को क्यों सौंपा जिसका रक्षा और विमान निर्माण तकनीक में कोई अनुभव नहीं है । आतंकवाद से लड़ाई और राष्ट्रवाद के मुद्दे पर तो भाजपा का इतिहास इतना धुंधला है की कोई भी भारतीय उसकी बातों पर कतई विश्वास नहीं करेगा।

इस परिपेक्ष में हम फिर से वही प्रश्न श्री अमित शाह से दोहरा रहें है –

भारतीय जनता पार्टी व उसके नेतृत्व को राष्ट्रहित में जवाब देने पड़ंगे :–

1. कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय उग्रवादी, दाउद इब्राहिम की पत्नी किन हालात में साल 2016 में पाकिस्तान से मुंबई आई और वापस चली गई, परंतु क्यों केंद्रीय व प्रांतीय भाजपा सरकारों ने न तो उसे गिरफ्तार किया और न ही कोई अन्य कार्यवाही की?

2. क्या यह सही नहीं कि पूर्व महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष व वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री, एकनाथ खड़से के उग्रवादी दाउद इब्राहिम से तथाकथित वार्तालाप के चलते उन्हें अपने पद से हाथ धोना पड़ा?

3. क्या कारण है कि 19 मई, 2017 को भाजपा के वरिष्ठ नेता व महाराष्ट्र के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री, श्री गिरीश महाजन व भाजपा विधायक देवयानी फरांडे, बाला साहब सनाप, सीमा हीरे व अन्य भाजपा नेताओं ने नासिक में दाउद इब्राहिम की भतीजी की शादी में हिस्सा लिया।

4. क्यों आईएसआई जैसी उग्रवादियों को संरक्षण देने वाली बदनाम पाकिस्तानी एजेंसी पर श्री नरेंद्र मोदी व श्री अमित शाह को इतना विश्वास है कि उन्हें भारत सरकार देश का मेहमान बना बुलाती है? क्यों उन्हें भारत सरकार ने देश का मेहमान बना पठानकोट उग्रवादी हमले के बाद देश के सबसे महत्वपूर्ण सेना हवाईअड्डे की जांच के लिए बुलाया? क्यों उस समय श्री अमित शाह ने पाकिस्तान पर अपना विश्वास जताया? क्यों फिर उसी आईएसआई ने पाकिस्तान वापस जा हमारे देश पर पठानकोट में खुद के सैनिकों को मारने का इल्जाम लगाया?

5. क्यों पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित ऊधमपुर, जम्मू–कश्मीर व गुरदासपुर, पंजाब में हुए उग्रवादी हमलों के बावजूद प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी बिन बुलाए मेहमान की तरह पाकिस्तानी प्रधानमंत्री, मियां नवाज़ शरीफ के यहां जन्मदिन मनाने और शादी की दावत खाने गए थे? क्या यह ऊधमपुर व पठानकोट में शहीद हुए जवानों का घोर अपमान नहीं?

6. क्या यह सही नहीं कि मध्यप्रदेश में जो 11 व्यक्ति पाकिस्तान की आईएसआई के लिए भारतीय सेना की जासूसी करते पकड़े गए, उनका मुखिया ध्रुव सक्सेना नाम का व्यक्ति है, जो भाजपा की आईटी सेल का पदाधिकारी निकला? क्या श्री अमित शाह इसका जवाब देंगे?

7. क्या भाजपा की केंद्रीय सरकार जैश–ए–मुहम्मद उग्रवादी संगठन के सरगना, मौलाना मसूद अजहर, मुश्ताक अहमद जरगर व अहमद उमर सईद शेख को जहाज में बिठाकर कंधार, अफगानिस्तान में रिहा नहीं करके आए? क्या जैश–ए–मुहम्मद आज पाकिस्तान में बैठकर हर रोज भारत में उग्रवादी हमले नहीं करवाता?

8. क्या जम्मू–कश्मीर के कुख्यात उग्रवादी बुरहान वाणी के सेना के साथ एनकाउंटर में मारे जाने के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता व जम्मू–कश्मीर के उपमुख्यमंत्री, श्री निर्मल सिंह ने यह नहीं कहा कि बुरहान वाणी एक 'एक्सीडेंट' में मारा गया और अगर यह पहले से मालूम होता कि बुरहान वाणी वहां मौजूद है, तो सुरक्षा बल 'Precaution' लेते?

9. क्या यह सही नहीं कि जम्मू–कश्मीर में भाजपा–पीडीपी सरकार द्वारा 14 दिसंबर, 2016 को उग्रवादी बुरहान वाणी के परिवार को मुआवजे व नौकरी की पेशकश की गई?

10. क्या यह सही नहीं कि हाल में ही भाजपा–पीडीपी सरकार द्वारा आसिया अंदराबी को बेटी बचाओ अभियान की ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया? क्या आसिया अंदराबी भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त नहीं? क्या आसिया अंदराबी ने अगस्त, 2015 में मुंबई आतंकवादी हमले के मुखिया व कुख्यात उग्रवादी, हाफिज सईद के साथ पाकिस्तान में भारत विरोधी कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लिया?

11. क्या यह सही नहीं कि असम में 24 मई, 2017 को उग्रवाद के मामले में स्पेशल एन्आईए अदालत द्वारा जिन 15 लोगों की सजा हुई है, उसमें निरंजन होजई शामिल है, जो भाजपा का नेता है और एनसी हिल्स ऑटोनोमस काउंसिल का सदस्य है?

12. एक तरफ तो श्री अमित शाह पाकिस्तान में पटाखे फूटने का जुमला गढ़ते हैं। क्या यह सही नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, श्री अजीत डोवल के बेटे, श्री शौर्य डोवल के बिज़नेस पार्टनर, श्री सईद अली अब्बास पाकिस्तानी हैं और दूसरे पार्टनर सऊदी अरब से हैं? क्या इस बारे श्री अमित शाह को कोई एतराज है?

झूठे जुमले गढ़ने वाले छद्म राष्ट्रवादियों को असली सवालों का जवाब देने की आवश्यकता है।